सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 235 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार 1 अक्टूबर, 2025

अपने गुरु में पूर्ण रूप से विश्वास करें। यही साधना है।
-साईं बाबा

मूल्य ₹ 3/-

महिला विश्व कप : भारत ने की जीत... 7 | झारखंड में सजा नया सियासी... 3 | उत्तर प्रदेश में कोई सुरक्षित नहीं... 2

फिसला लल्लन, टॉप पर 4PM

लखनऊ से उठा डिजिटल मीडिया का नया सुल्तान

» 4पीएम की टक्कर में कोई नहीं
» डिजिटल मीडिया का सिरमौर बना 4PM
» सत्ता बनाम सच की लड़ाई का दस्तावेज बना 4पीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। डिजिटल पत्रकारिता का इतिहास अगर आने वाले समय में लिखा जाएगा, तो उसमें एक नाम सोने की स्याही से दर्ज होगा **4PM**। यूपी की राजधानी लखनऊ से संचालित **4PM** चैनल आज किसी परिचय का मोहताज नहीं।

तमाम बाधाओं, मुकदमों और सेंसरशिप के पहाड़ के बावजूद संपादक संजय शर्मा की निर्भीक पत्रकारिता ने इसे डिजिटल मीडिया की सबसे ऊंची चोटियों पर पहुंचा दिया है। यह कहानी सिर्फ एक चैनल की सफलता की नहीं है बल्कि यह भारत में सत्ता बनाम सच की लड़ाई का दस्तावेज भी है।

आंकड़े जो गवाही देते हैं

आज जब डिजिटल मीडिया को लेकर विश्वसनीय डेटा सामने आ रहा है तो 4PM की उपलब्धियां किसी चमत्कार से कम नहीं लगतीं। सोशल ब्लेज की ताजा रिपोर्ट बताती है कि पिछले 30 दिनों में 4PM को 27.9 करोड़ व्यूज मिले। वहीं इंडिया टुडे समूह का चर्चित डिजिटल चैनल लल्लन टॉप इसी अवधि में 22.7 करोड़ व्यूज पर सिमटा रहा। दिलचस्प बात यह है कि लल्लन टॉप के पास 3.4 करोड़ सब्सक्राइबर हैं जबकि 4PM के पास महज 81 लाख सब्सक्राइबर। आम समझ कहेगी कि अधिक सब्सक्राइबर वाले चैनल को व्यूअरशिप में भी आगे होना चाहिए। लेकिन सच इसके उलट है। इससे साफ हो जाता है कि दर्शक सिर्फ ग्लैमर और ब्रांड नेम से नहीं बल्कि सवाल पूछने वाली पत्रकारिता से जुड़ते हैं।

एक दिलचस्प तुलना

डाटा विश्लेषण की एक और परत दिलचस्प है। उपरोक्त आंकड़े सिर्फ राष्ट्रीय चैनलों के स्तर पर हैं। यदि क्षेत्रीय स्तर पर तुलना की जाए तो 4PM का दबदबा और भी साफ दिखता है। 4PM ने सिद्ध कर दिया कि पत्रकारिता का असर लोकेशन से नहीं इरादों से तय होता है। 4PM का उभार केवल एक व्यावसायिक सफलता नहीं है। यह उस लोकतांत्रिक अधिकार की जीत है जिसे समय समय पर कुचलने की कोशिश की जाती रही है। आज जब देश में डिजिटल सेंसरशिप का खतरा मंडरा रहा है, जब पत्रकारों को मुकदमों और नोटिसों से डराया जा रहा है तब 4PM जैसे प्लेटफॉर्म यह भरोसा दिलाते हैं कि सच को दबाया नहीं जा सकता।

सेंसरशिप, मुकदमे व सुप्रीम कोर्ट तक की लड़ाई

4PM ने अपनी बेबाक रिपोर्टिंग और तीखे सवालों से सत्ता के गलियारों में हलचल मचा दी। परिणाम यह हुआ कि चैनल पर बार-बार रोक लगाने की कोशिशें हुईं। **4PM** चैनल को यूट्यूब से कई बार हटवाया गया। चैनल पर मुकदमों और एफआईआर की बरसात हुई। तकनीकी हथकंडों से इसकी आवाज का दबाने का प्रयास आज भी जारी है। लेकिन संपादक संजय शर्मा ने हार नहीं मानी। उन्होंने मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचाया और वहां से न्याय पाकर न केवल चैनल को पुनर्जीवित किया बल्कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की लड़ाई को भी नया आयाम दिया।

संजय शर्मा नाम नहीं एक आंदोलन

4PM की सफलता की कहानी संपादक संजय शर्मा के नाम के बिना अधूरी है। वह सिर्फ एक संपादक नहीं बल्कि एक आंदोलन के वाहक बन चुके हैं। उन्होंने राजनीति, प्रशासन और कॉर्पोरेट सिस्टम से सवाल पूछने की परंपरा कायम रखी। किसी भी सरकार को बख्शा नहीं चाहे सत्ता में कोई भी दल हो। जब पहलगाम हमले के बाद सरकार ने चैनल पर रोक लगाने की कोशिश की तो वे सीधे न्यायालय पहुंचे। उनका यह रुख बताता है कि पत्रकारिता अभी जिंदा है और डर के आगे ही जीत है।

27.9
करोड़ व्यूज पिछले 30 दिनों में मिले

4PM
8M
subscribers

22.7
करोड़ व्यूज पिछले 30 दिनों में मिले

THE LALLANTOP
34M subscribers

दर्शक ही असली ताकत

किसी भी मीडिया प्लेटफॉर्म की सबसे बड़ी ताकत उसके दर्शक होते हैं। 4PM ने यह भरोसा जीता है कि वह सिर्फ दर्शकों के सवालों को आवाज देगा, न कि सत्ता की दलाली करेगा। यही कारण है कि सब्सक्राइबर संख्या में कमजोर होने के बावजूद इसकी व्यूअरशिप आसमान छू रही है। यही नहीं 4PM की सफलता कॉर्पोरेट मीडिया हाउसेज के लिए एक बड़ी चेतावनी के तौर पर भी सामने आयी है। लल्लन टॉप और अन्य बड़े चैनलों के लिए यह एक स्पष्ट संकेत है कि केवल ब्रांडिंग और भारी भरकम टीम अब काम नहीं आएगी। जनता वही सुनेगी जहां उसे अपनी आवाज की गूंज मिलेगी, पत्रकारिता की असली परीक्षा सिस्टम से टकराने में है न कि उसके गुणगान में।

> “ यह एक बहुत बड़ी खबर है, अच्छी सूचना है और जितना भी स्वागत किया जाए कम है। लखनऊ से संचालित एक मीडिया ग्रुप ने संसाधनों और साधनों की कमी के बावजूद जिस तरह नया कीर्तिमान स्थापित किया है, वह वास्तव में प्रेरणादायक है। संजय शर्मा और उनकी टीम को बहुत-बहुत मुबारक।
>
> मनीष वर्मा, डिक्की उत्तर प्रदेश चैप्टर के अध्यक्ष

> “ विश्वसनीय पत्रकारिता और जनता के मुद्दों को सामने रखने का साहस किसी भी बड़े कॉर्पोरेट नेटवर्क को पछाड़ सकता है। आंकड़े साफ बताते हैं कि सब्सक्राइबर संख्या में पीछे होने के बावजूद 4PM ने व्यूअरशिप में बड़े चैनल को पीछे छोड़ दिया है। यह उपलब्धि न सिर्फ पत्रकारिता के क्षेत्र में बल्कि पूरे उद्यमशील समाज के लिए प्रेरणा है।
>
> मनीष हिंदवी, वाइस चेयरमैन, कांग्रेस मीडिया

> “ संजय शर्मा जैसे लोगों ने इस दौर में भी पत्रकारिता को बचाये रखा है। सरोकार के साथ खड़े हैं और सरकार की नाकामियों को उजागर कर रहे हैं। सरकार से टकराने की हिम्मत रखते हैं हमे ऐसे लोगों का स्वागत करना चाहिए और उनके प्रति आभार रखना चाहिए
>
> असितनाथ तिवारी, कवि एंव साहित्यकार

> “ 4PM के टॉप पर आने पर मैं संजय शर्मा और उनकी पूरी टीम को हार्दिक बधाई देता हूं। इसी प्रकार टॉप पर बने रहे है और देश सेवा करते रहे। प्रासंगिक मुद्दे उठाते रहे हां एक बात का ख्याल रखे कि पत्रकारिता धर्म न टूटे ।
>
> यशवीर त्यागी, अर्थशास्त्री

> “ संजय भाई को बहुत-बहुत मुबारकबाद। अच्छी बात है कि उनकी मेहनत ने उन्हें यहां तक पहुंचाया है और वह बुलंदियों पर हैं। संजय भाई की यह सफलता उन लोगों के लिए प्रेरणा का काम करेगी जो छोटे शहरों में कम संसाधनों के साथ काम रहे हैं। जो भी व्यक्ति मेहनत करेगा वह कामयाब होगा।
>
> आसिम वकार, राजनेता

> “ संजय शर्मा एक जुनूनी व्यक्ति है और उनके इसी जुनून ने उन्हें उनकी टीम और संस्थान को कामयाबी का सिरमौर बनाया है। मैं उन्हें मुबारकबाद देता हूं और भविष्य की चुनौतियों के लिए नई उर्जा के साथ तैयार रहने की दुआ करता हूं।
>
> नावेद, वरिष्ठ पत्रकार

डिजिटल मीडिया का बदलता समीकरण

भारत में डिजिटल पत्रकारिता को लंबे समय तक टीवी चैनलों का साया माना गया। बड़े कॉर्पोरेट हाउस अपने चैनलों के डिजिटल वर्जन चलाते रहे और भारी बजट से प्रचार प्रसार करते रहे। लेकिन 4PM ने साबित कर दिया कि बिना भारी पूंजी निवेश के भी दर्शकों का विश्वास जीता जा सकता है। यदि पत्रकारिता सच्ची और निष्पक्ष हो तो दर्शक खुद आपके साथ खड़े होते हैं। कॉर्पोरेट मीडिया बनाम स्वतंत्र मीडिया की जंग में अब स्वतंत्र मीडिया कहीं ज्यादा असरदार बनकर उभरा है।

उप्र में कोई सुरक्षित नहीं : अखिलेश यादव

पूर्व विधायक व मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति पर जेल में हमले से मचा बवाल, सपा प्रमुख ने योगी सरकार पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पूर्व विधायक व मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति पर हुए हमले को लेकर सियासत भी तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गायत्री प्रजापति पर हुए हमले को लेकर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने जेल में हुए हमले की जांच की मांग की और कहा कि यूपी में अब कोई भी सुरक्षित नहीं है।

बता दें उत्तर प्रदेश की लखनऊ जेल में समाजवादी पार्टी के पूर्व कैबिनेट मंत्री और अमेठी से पूर्व विधायक गायत्री प्रसाद प्रजापति पर एक अन्य कैदी ने जानलेवा कर दिया जिसमें वो बुरी तरह घायल हो गए. हालांकि अब वो खतरे से बाहर हैं। उधर सपा अध्यक्ष ने एक्स पर लिखा-भूतपूर्व विधायक व उप्र सरकार में मंत्री रहे गायत्री प्रजापति पर जेल में हुए जानलेवा हमले की निष्पक्ष न्यायिक जाँच हो. उप्र में कहीं भी, कोई भी सुरक्षित नहीं है। अखिलेश यादव ने मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की हैं। गायत्री

प्रजापति के सिर में दस टांके आए हैं। उनकी हालत खतरे से बाहर हैं। देर रात उनकी पत्नी और अमेठी से सपा विधायक महाराजी देवी भी अस्पताल में उनसे मिलने के लिए पहुंची। उन्होंने कहा कि जब हमें खबरों से पता चला कि उनके पति पर हमला हुआ तो वो उन्हें देखने यहां पहुंची हैं. उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि मुख्यमंत्री वक्त दें, हमारे पति की जान को खतरा है।

जेल प्रशासन पूर्व मंत्री को समुचित इलाज उपलब्ध करवाये : हसन चांद

इस घटना को लेकर सपा प्रवक्ता फखरुल हसन चांद ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा- जेल मे बंद पूर्व मंत्री गायत्री प्रजापति पर हमले की खबर चिंताजनक है, जेल प्रशासन पूर्व मंत्री को समुचित इलाज उपलब्ध करवाये!

गायत्री प्रजापति की हालत खतरे से बाहर

पूर्व मंत्री गायत्री प्रजापति गैंगरेप मामले में लखनऊ जेल में उम्रक़ैद की सजा काट रहे हैं। मंगलवार को एक सफ़ाई करने वाले कैदी ने उनके सिर पर अचानक हमला कर दिया और कई वार किए। इस हमले में वो बुरी तरह घायल हो गए। जिसके बाद आनन-फ़ानन में उन्हें कड़ी सुरक्षा के बीच केजीएमयू भेजा गया।

पत्नी महाराजी देवी ने बताया जान को खतरा

पूर्व मंत्री गायत्री प्रजापति ने इस हमले को लेकर बताया कि जिस कैदी ने उन पर हमला किया वो एक शातिर अपराधी था। उसका नाम विश्वास है और वो काफी दिन से जेल में बंद है। मुझे खुशी है कि हमारी जान बच गई है। ये सब अचानक हुआ, हमारा किसी से विवाद नहीं था।

भाजपा शासन में न कोई रणनीति है और न ही स्वास्थ्य सुविधाएं : नारंग

» आप ने मेयर और भाजपा सरकार को घेरा कहा- दिल्ली डेंगू-मलेरिया से लोग परेशान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में मच्छर जनित बीमारियों के मामले बढ़ने, डीबीसी और सीएफडब्ल्यू कर्मचारियों की हड़ताल को लेकर आम आदमी पार्टी के नेता व एमसीडी में प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने भाजपा और महापौर राजा इकबाल सिंह पर सीधा हमला बोला है।

नारंग ने कहा कि केजरीवाल सरकार के समय 10 हफ्ते, 10 मिनट जैसा सफल अभियान चला था, लेकिन भाजपा शासन में न कोई रणनीति है और न ही स्वास्थ्य सुविधाएं। ऐसे अंधे और अहंकारी मेयर की दिल्लीवासियों को कोई जरूरत नहीं। नारंग ने कहा, पिछले सप्ताह डेंगू के 74 और मलेरिया के 38 नए मामले आए, कुल मामलों की संख्या 759 और 371 तक पहुंच गई है। भाजपा की चार इंजन सरकार और मेयर की लापरवाही से दिल्ली के लोग डेंगू-मलेरिया जैसी बीमारियों से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की मांगों पर बैठकर समाधान निकालने की बजाय मेयर ने उनसे मिलने का 10 मिनट भी नहीं निकाला। उनकी हठधर्मिता ने जनता की जिंदगी को खतरे में डाल दिया है।

बसपा का बिहार चुनाव से वापसी का इरादा

यूपी की पूर्व सीएम मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को सौंपी जिम्मेदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बिहार चुनाव के सहारे बसपा फिर मजबूत होने की कवायद में जुटी है। इसी के मद्देनजर बसपा प्रमुख मायावती भतीजे के जरिये अभियान में जुट गई हैं। बिहार चुनाव की कमान आकाश आनंद को सौंपी गई है।

दरअसल, बिहार चुनाव को आकाश आनंद के आगे के सियासी कॅरिअर की परीक्षा के तौर पर देखा जा रहा है। यदि वह बिहार में कुछ सीटें लाने में कामयाब हुए तो यूपी और उत्तराखंड की राजनीति में उनका दखल बढ़ सकता है। इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए आकाश आनंद को बिहार में सर्वजन हिताय जागरूकता यात्रा का दारोमदार सौंपा गया है,

जिसे वह पूरी शिद्दत से निभा रहे हैं। उनकी जनसभाओं में उमड़ रही भीड़ और कार्यकर्ताओं से मुलाकातें उन्हें बिहार की दलित राजनीति के नए चेहरे के रूप में तैयार कर रही है।आकाश अपनी जनसभाओं में बिहार में दलितों के उत्पीड़न के मुद्दों को प्रमुखता से उठा रहे हैं और उनकी समस्याओं का हल केवल बसपा के पास होने के दावे कर रहे हैं। आकाश पहले भी अपनी आक्रामक शैली की वजह से युवाओं में खासे लोकप्रिय रहे हैं। उनकी यात्रा का सिलसिला नवरात्र की वजह से फिलहाल स्थगित कर दिया गया है, लेकिन 4 अक्तूबर इसे दोबारा शुरू किया जाएगा। इस दौरान उनकी रैलियां और रोड शो भी आयोजित किए जाएंगे। मायावती के निर्देशों के मुताबिक पार्टी के राष्ट्रीय समन्वयक रामजी गौतम आकाश के सभी आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय कर रहे हैं।

मैं उंगली रखता जाता था, मुलायम साइन करते जाते थे : आजम खान

» पूर्व मंत्री ने अखिलेश यादव को रिश्तों की दिलाई याद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजम खान हमेशा से ही अपने बयानों की वजहों से चर्चाओं में रहें हैं। एक बार फिर वह अपने एक बयान की वजह सुर्खियों में आ गए हैं। एक न्यूज चैनल से बातचीत करते हुए उन्होंने सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव और अपनी दोस्ती का उदहारण दिया है।

आजम खान ने अखिलेश यादव को अपनी दोस्ती याद दिलाते हुए कहा कि मैंने जहां उंगली रख दी मुलायम सिंह यादव ने साइन कर दिए। समाजवादी के नेता आजम खान ने अपने पुराने दिन याद करते हुए बताया कि जब मेरी बीबी हॉस्पिटल में भर्ती थी तब मुलायम सिंह यादव ने अपनी जेब से एक लिफाफा भेजा था, लेकिन मैंने उसे लेने से मना कर दिया था और कहा था जब यहां इलाज मुफ्त हो रहा है तो इन पैसों की जरूरत क्या है। उन्होंने इस तरह कांग्रेस और समाजवादी संघर्ष की पुरानी यादों को ताजा किया है। वहीं आजम ने मुलायम सिंह यादव को लेकर इस बातचीत में कई बड़ी बातें साझा की है। उन्होंने अपने सुनहरे दौर को याद किया

है। मुलायम सिंह यादव की सरकार के समय का जिक्र करते हुए आजम खान ने कहा कि, मैंने उनसे सोना चांदी के कंगन नहीं मांगे, कोठी, बंगला नहीं मांगा। मैंने बच्चों के लिए कलम मांगा। ?

वहीं उन्होंने आगे कहा कि,कलम देने वाले ने मुझसे यह नहीं पूछा कि उनको हस्ताक्षर कहां करने हैं मैं उंगली रखता जाता था और मुलायम सिंह यादव साइन करते जाते थे। आजम खान ने बताया कि यह भरोसा पैदा करना एक बहुत बड़ी कुर्बानी और मेहनत के बाद हासिल होता है।

वहीं आजम खान ने कहा- न मेरी वफा में कमी थी, न मेरी मोहब्बत में, न मेरी दयानत में, न ही मेरी भक्ति में और न ही मेरी ईमानदारी में कमी थी।

राज्य का दर्जा चाहिए समझौता नहीं : उमर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने साफ कहा कि वह केंद्रशासित प्रदेश को दोबारा राज्य का दर्जा दिलाने के लिए किसी भी कीमत पर भारतीय जनता पार्टी से गठबंधन नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा करना जरूरी हुआ, तो वे मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना बेहतर समझेंगे।

सीएम बोले- इस्तीफा देना मंजूर,लेकिन भाजपा से गठबंधन नहीं

अनंतनाग जिले के अछाबल क्षेत्र में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उमर अब्दुल्ला ने कहा, अगर आपको मंजूर है तो बता दीजिए, क्योंकि मुझे यह सौदा मंजूर नहीं। अगर राज्य का दर्जा लौटाने के लिए बीजेपी को सरकार में शामिल करना पड़े, तो मेरा इस्तीफा ले लीजिए। यहां किसी भी विधायक को मुख्यमंत्री बना दीजिए और भाजपा के साथ सरकार बना लीजिए। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि अगर वह भाजपा को सरकार में शामिल कर लेते, तो शायद राज्य का दर्जा जल्दी बहाल हो सकता था, लेकिन उन्होंने इसे राजनीतिक समझौता कहकर खारिज कर दिया। क्या हमें भाजपा को सरकार में शामिल करना चाहिए था? शायद ऐसा करते तो हमें तोहफे में राज्य का दर्जा जल्दी मिल जाता।

झारखंड में सजा नया सियासी मंच

आदिवासी बनाम कुड़मी का मचा शोर

» आदिवासी बोले उग्र आंदोलन करेंगे

» जवाब में कुड़मी बोले- यह संरक्षण की लड़ाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड में चुनाव पिछले साल हो चुके हैं। पर वहां नया सियासी मंच सजने को तैयार है। आदिवासी बनाम कुड़मी का शोर तेजी से पूरे राज्य में मचने लगा है। आदिवासी मूलवासी बचाओ संघ के कार्यकारी अध्यक्ष सूरज टोप्पो ने स्पष्ट चेतावनी दी कि कुर्मियों को अनुसूचित जनजाति (एसटी) में शामिल करने की किसी भी कोशिश का जोरदार विरोध होगा।

उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज अपने आरक्षण और पहचान की रक्षा के झारखंड में आदिवासी और कुड़मी समुदाय के बीच तनातनी अब और तेज हो गई है। दोनों पक्ष एक-दूसरे पर बयानबाजी और कानूनी कार्रवाई करके अपनी-अपनी बात मजबूती से रख रहे हैं। फिलहाल विवाद शांत होने का नाम नहीं ले रहा है।

विवाद का मूल कारण

कुर्मी समाज का दावा है कि वे पहले से ही आदिवासी सूची में थे, लेकिन उन्हें बाहर कर दिया गया। वे केंद्र सरकार से फिर से एसटी में शामिल करने की मांग कर रहे हैं। वहीं आदिवासी समाज का मानना है कि यदि कुर्मी समुदाय को एसटी सूची में शामिल किया गया तो उनका आरक्षण और अधिकार प्रभावित होगा।

राजनीतिक और सामाजिक असर

झारखंड की राजनीति में यह विवाद अब बड़ा मुद्दा बन चुका है। कुर्मी समाज जहां आंदोलन तेज करने की रणनीति बना रहा है, वहीं आदिवासी समाज भी आरक्षण बचाओ के नारे के साथ सड़क पर उतरने को तैयार है। दोनों पक्षों के बीच यह संघर्ष आने वाले दिनों में राज्य के सामाजिक और राजनीतिक माहौल को और गरमा सकता है।

मामला दर्ज करवाने से शुरू हुआ नया दौर

रविवार को आदिवासी समाज की प्रमुख और पूर्व खो-खो खिलाड़ी ज्योत्सना करकेटा ने जेएलकेएम की नेत्री बेबी महतो पर एसटी थाना में मामला दर्ज करवाया। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में यह सिलसिला और बढ़ेगा तथा राज्य के हर जिले के एसटी थाने में इसी तरह के मुकदमे दर्ज कराए जाएंगे। जेएलकेएम के प्रदेश उपाध्यक्ष देवेंद्र महतो ने आदिवासी पक्ष की आपत्ति पर सवाल उठाते हुए कहा कि हमारी मांग पूरी तरह संवैधानिक है। हम भारत सरकार से अपने हक की बात कर रहे हैं। इसमें आदिवासियों को क्यों तकलीफ हो रही है, यह समझ से बाहर है। उन्होंने दावा किया कि कुर्मी समाज पहले से आदिवासी सूची में शामिल था, लेकिन केंद्र सरकार ने बाद में उन्हें गैर-सरकारी सूची में डाल दिया। हाल ही में कुर्मी समाज ने रेल रोको आंदोलन किया था, जिसे महतो ने पूरी तरह सफल बताया। उनका कहना है कि यह लड़ाई आरक्षण के लिए नहीं, बल्कि संरक्षण के लिए है।

आदिवासी नेताओं का कड़ा विरोध

इधर, आदिवासी मूलवासी बचाओ संघ के कार्यकारी अध्यक्ष सूरज टोप्पो ने स्पष्ट चेतावनी दी कि कुर्मियों को अनुसूचित जनजाति (एसटी) में शामिल करने की किसी भी कोशिश का जोरदार विरोध होगा। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज अपने आरक्षण और पहचान की रक्षा के लिए सड़क पर उतरेगा। टोप्पो ने घोषणा की कि जल्द ही उग्र आंदोलन की तैयारी पूरी कर ली जाएगी। साथ ही कुर्मी समाज से अपील की कि वे अपनी मांगें संवैधानिक दायरे में ही रखें।

चिदंबरम के खुलासे के बाद मचा सियासी कोहराम

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा देश सब जानता था

» भाजपा ने कांग्रेस को घेरा

» पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा- 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के बाद अंतरराष्ट्रीय दबाव था

» यूपीए सरकार ने पाकिस्तान पर सैन्य कार्रवाई न करने का फैसला लिया था

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री पी. चिदंबरम के एक खुलासे के बाद से सियासी कोहराम मच गया है। बीजेपी ने इसको लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा। दरअसल चिदंबरम ने कहा था कि 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के बाद यूपीए सरकार ने पाकिस्तान पर सैन्य कार्रवाई न करने का फैसला अंतरराष्ट्रीय दबाव में लिया था।

बीजेपी ने पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री पी. चिदंबरम ने इसमें विदेश मंत्रालय की सलाह भी थी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने माना कि वह बदला लेना चाहते थे, लेकिन सरकार ने युद्ध जैसे कदम से बचने का निर्णय किया। वहीं केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि पूर्व गृह मंत्री ने स्वीकार किया है कि देश पहले से ही जानता था कि मुंबई हमलों को विदेशी ताकतों के दबाव में गलत तरीके से हैंडल किया गया। वहीं बीजेपी प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि पी. चिदंबरम ने कहा कि 26/11 के हमले के बाद जब वह गृहमंत्री बने तो उनका विचार था कि पाकिस्तान पर कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन तत्कालीन पार्टी नेतृत्व ने उसकी अनुमति नहीं दी। अब इससे स्पष्ट हो जाता है कि पाकिस्तान के साथ डील करने के लिए कांग्रेस नेतृत्व का रुझान क्या था।

गृहमंत्री बनने से हिचकिचा रहे थे पी. चिदंबरम

वहीं बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने आरोप लगाया कि चिदंबरम पहले तो गृहमंत्री बनने से हिचकिचा रहे थे, बाद में सैन्य कार्रवाई चाहते थे लेकिन अन्य लोग हावी हो गए। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या सोनिया गांधी या तत्कालीन पीएम मनमोहन सिंह ने इस फैसले को रोका और क्यों यूपीए सरकार अमेरिकी दबाव में काम कर रही थी। पूनावाला ने आगे कहा कि कांग्रेस ने 26/11 और 2007 समझौता एक्सप्रेस धमाकों दोनों पर पाकिस्तान को क्लीन चिट दी और हिंदू आतंक की कहानी गढ़ी। साथ ही उन्होंने यूपीए पर पाकिस्तान को मोस्ट फेवर्ड नेशन (MFN) का दर्जा देने और बार-बार भारत की सैन्य कार्रवाई पर सवाल उठाने का आरोप लगाया।

पीएम मनमोहन सिंह से मिलने आई थीं अमेरिकी विदेश मंत्री

उन्होंने स्वीकार करते हुए कहा, उस समय अमेरिकी विदेश मंत्री कोंडोलीजा राइस, मेरे पद संभालने के दो-तीन दिन बाद मुझसे और प्रधानमंत्री से मिलने आई थीं। उन्होंने कहा था कि प्रतिक्रिया नहीं दें।

क्या बोले थे चिदंबरम?

एक टीवी इंटरव्यू में चिदंबरम ने बताया, पूरी दुनिया दिल्ली आ गई थी यह कहने कि युद्ध मत शुरू कीजिए। तत्कालीन अमेरिकी विदेश मंत्री कोंडोलीजा राइस हमले के कुछ ही दिन बाद दिल्ली आईं और प्रधानमंत्री व मुझसे मिलीं। उन्होंने भी कहा कि आप प्रतिक्रिया न दें। मेरे मन में बदला लेने का विचार आया था लेकिन फैसला सरकार को लेना था। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री और अन्य वरिष्ठ लोगों से इस पर चर्चा की थी। प्रधानमंत्री ने हमले के दौरान ही इस मुद्दे पर विचार किया था और विदेश मंत्रालय की सलाह से निष्कर्ष यह निकला कि हमें प्रतिक्रिया नहीं करनी चाहिए।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

पुलिस की हिरासत में मौतें कब रूकेंगी

पुलिस की हिरासत में मरने वालों की संख्या पिछले कुछ वर्षों में बढ़ी है। जबकि इस तरह की घटनाओं में पुलिस प्रशासन को अदालतों से समय-समय पर लताड़ भी लगाई जाती रही है पर पुलिस पर कोई फर्क नहीं पड़ता है। खासतौर सत्ता का खिलाफत करने वाले ऐसे मामले में ज्यादा पुलिसिया ज्यादिती का शिकार होते हैं। बिहार के वैशाली में पुलिस कस्टडी में एक बुजुर्ग की मौत हो गई। पुलिस हिरासत में कथित मौत की यह घटना सुप्रीम कोर्ट के करीब एक सप्ताह पहले राजस्थान में ऐसी मौतों पर राज्य सरकार से जवाब तलब के बाद हुई है। यह पहला मौका नहीं है जब सुप्रीम कोर्ट ने हिरासत में मौतों को लेकर जवाब तलब किया है। इससे पहले भी ऐसी मौतों के मामले में सुप्रीम कोर्ट गाइड लाइन जारी कर चुका है। इसके बावजूद देश में लगातार ऐसी घटनाएं हो रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान में पुलिस हिरासत में मौतों को लेकर स्वत: संज्ञान लिया। देशभर के थानों में सीसीटीवी कैमरों की कमी पर सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर चिंता जताई।

जस्टिस विक्रम नाथ की बेंच ने हिरासत में मौत को लेकर रिपोर्ट पर कहा कि 2025 में पिछले 7-8 महीनों में अकेले राजस्थान में ही पुलिस हिरासत में 11 लोगों की मौत हुई है, जबकि, 5 साल पहले सुप्रीम कोर्ट एक ऐतिहासिक फैसला सुना चुका है। इसमें हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अपने सभी थानों में सीसीटीवी कैमरे लगवाएं जाने के निर्देश दिए गए थे। इस रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि ऐसे मामलों में अक्सर पुलिस सीसीटीवी फुटेज देने से बचती है। इसके पीछे पुलिस की तरफ से कई तरह के कारण बताए जाते हैं, जैसे कि तकनीकी खराबी, फुटेज स्टोरेज की कमी, जांच जारी है या कानूनी प्रतिबंध। कई मामलों में तो पुलिस ने फुटेज देने से सीधे इनकार कर दिया या जानबूझकर देरी की। अदालत ने साफ कहा था कि थाने का कोई भी हिस्सा निगरानी से बाहर नहीं होना चाहिए। लॉकअप से लेकर मेन गेट, कॉरिडोर, इंस्पेक्टर और सब इंस्पेक्टर के कमरे, ड्यूटी रूम और थाने का पूरा कैंपस सीसीटीवी कवरेज में होना चाहिए। साथ ही, सीबीआई, ईडी, एनआईए, एनसीबी और डीआरआई जैसे केंद्रीय जांच एजेंसियों के दफ्तरों में भी कैमरे लगाने के आदेश दिए गए थे। इनका डेटा कम से कम एक साल तक सुरक्षित रहे। इन मामलों से यह साफ है कि सुप्रीम कोर्ट के इन निर्देशों का पालन पूरी तरह से नहीं किया गया है। कोर्ट ने इस बात पर भी चिंता जताई है कि मानवाधिकारों के उल्लंघन की समीक्षा के लिए बनाई गई केंद्रीय और राज्य स्तरीय कमेटियां भी ठीक से काम नहीं कर रही हैं। राजस्थान में लगातार हो रही हिरासत में मौतों ने पुलिस व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। इन मामलों में पुलिस द्वारा सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध न कराना संदेह पैदा करता है। अदालत ने इस मामले में सभी संबंधित पक्षों से जवाब मांगा है। सरकारों को ऐसे मामलों में संवेदनशील होने की आवश्यकता है।

“ बिहार के वैशाली में पुलिस कस्टडी में एक बुजुर्ग की मौत हो गई। पुलिस हिरासत में कथित मौत की यह घटना सुप्रीम कोर्ट के करीब एक सप्ताह पहले राजस्थान में ऐसी मौतों पर राज्य सरकार से जवाब तलब के बाद हुई है। यह पहला मौका नहीं है जब सुप्रीम कोर्ट ने हिरासत में मौतों को लेकर जवाब तलब किया है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

पाकिस्तान को सख्त लहजे में जवाब दें

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

संयुक्त राष्ट्र में 80वीं महासभा पूरी दिलचस्प बन गयी है। ट्रंप द्वारा टेलीप्राम्टर और स्टेयर को लेकर की गयी टिप्पणी सोशल मीडिया में चर्चा के केंद्र में आई। संयुक्त राष्ट्र को दोषारोपण करते हुए ट्रंप ने यह कभी नहीं सोचा कि मेजबानी करने वाले देश की जिम्मेदारी ज्यादा होती है। वह बोलते हैं तो बोल ही जाते हैं चाहे अपने ही देश की निंदा उसमें क्यों न शामिल हो। विश्वभर से आए 193 देशों के राष्ट्राध्यक्ष या नामित लोगों ने इस महासभा को संबोधित किया, जिसकी अध्यक्षता युवा नेत्री ऐनालेना बेयरबॉक कर रही थीं। इस महासभा में शिरकत कर रहे संयुक्त राष्ट्र सदस्य देशों के ये नेता, युद्धों, निर्धनता, मानवाधिकार उल्लंघन, जलवायु परिवर्तन आदि अनेक मुद्दों पर अपनी बात दुनिया के साथ साझा करके उस हल को ढूंढ़ने की कोशिश करते रहे, जिससे स्थायी शांति की ओर बढ़ा जाए।

ऐतिहासिक महासभा में ऐतिहासिक अभिभाषण के साथ एस. जयशंकर ने भारत का जैसे पक्ष रखा है, वह बहुत ही सुर्खियों में है, खासकर सेवा के कार्य की प्रशंसा हो रही है। भारत विश्व में शांति, विकास और मैत्री का पक्षधर रहा है। सर्वे भवन्तु सुखिन: की कामना की गयी है। संयुक्त राष्ट्र महासभा में एस. जयशंकर ने भारत की मंशा को अब दुनिया को बता दिया है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद विश्व के विभिन्न देशों में भारतीय शिष्टमंडल द्वारा रखे गए पक्ष की भी चर्चा यदि एस. जयशंकर महासभा में रखते तो बात कुछ और होती। लेकिन फिर भी जितना उन्होंने कहा उतना भी ठीक है। भारत अंतत: विकास और शांति चाहता है। भारत मैत्रीपूर्ण संबंध चाहता है। भारत धर्म के नाम पर कट्टरपंथी ताकतों से बहुत लंबे समय से लड़ता रहा है, इसके खिलाफ आगे भी उसकी लड़ाई जारी रहेगी। महासभा की अध्यक्ष ऐनालेना बेयरबॉक का नारा है बेटर टुगेदर, यह बात तो भारतीय शास्त्रों में बहुत पहले ऋग्वेद में कही गयी है-संगच्छध्वं संवदध्वं, जिसका अर्थ है हम सब एक साथ चलें, एक साथ बोलें और हमारे मन एक हों। महासभा में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के एक-एक बयान झूठ व तिलिस्म से भरे दिखे।

झूठ महासभा में यदि पाकिस्तान बोल रहा है तो एक तो वह अपने देश के साथ अहित कर रहा है, दूसरी ओर पूरी दुनिया के सामने अपनी छवि खराब कर रहा है। हाल ही में भारत-पाक अंतर्संघर्ष के बारे में उसके द्वारा कही गयी बातों से पाकिस्तान ने यह सिद्ध

कर दिया है कि वह झूठ की पोटली वाला देश है। 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद युद्धविराम सुनिश्चित करने में मदद के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रशंसा करके शरीफ ने यह बताया कि वह अमेरिका के पिछलग्गू हैं और कुछ भी नहीं। वह यह भी कहते रहे कि ट्रंप नोबेल पीस अवार्ड के हकदार हैं। शरीफ ने कश्मीर के मसले को भी पुन: महासभा में उठाकर अपने भीतर भरे भारत के प्रति कलुषता को भी स्पष्ट कर दिया। उन्होंने कश्मीर और जल संसाधनों पर विवाद का रोना भी रोया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के बारे में अवांछित बात सुनकर एक बात अब समझ आ गयी है कि पाकिस्तानी प्रधानमंत्री को उनकी भाषा में ही भारत को ज़वाब देना चाहिए। यदि इससे भारत बचता है तो डिप्लोमेसी को चैलेंज किया जाता रहेगा। ऐसा लगता है कि भारत की उदारता ही भारत के लिए अब भारी पड़ने लगी है। यद्यपि जयशंकर ने पहलगाम की बात उठाई और कहा कि हम अपने लोगों की रक्षा करने और देश-विदेश में उनके हितों की रक्षा करने के लिए दृढ़ हैं। इसका अर्थ है आतंकवाद के प्रति शून्य बर्दाश्त, अपनी सीमाओं की मजबूत सुरक्षा, सीमाओं से परे साझेदारी बनाना और विदेशों में अपने समुदाय की सहायता करना उनकी प्राथमिकता है। थोड़ी तल्ख भाषा अंतर्राष्ट्रीय मंच पर होती तो और अच्छा होता। वैसे भारत की ओर से वैश्विक दक्षिण के 78 देशों में, भारत के वित्त योगदान के साथ जो साझेदारी में चल रही और 600 से अधिक विकास परियोजनाओं को भारत संचालित कर रहा है, यह भारत की वैश्विक छवि है।

वर्ष 2024 में अफगानिस्तान में आए भूकम्प के दौरान भारत की आपात सहायता, म्यांमार में आए भूकम्प में मदद, गोलान पहाड़ियों से लेकर पश्चिमी सहारा और सोमालिया तक के क्षेत्रों में यूएन शान्तिरक्षक के रूप में सेवाओं, अपनी स्वतंत्रता बनाए रखने में विश्वास और वैश्विक दक्षिण की आवाज बनने की बातों ने दुनिया के दिलों में जगह बना ली हैं, यह भारत की छवि है। सबसे मुख्य बात जो जयशंकर ने की कि संयुक्त राष्ट्र का नौवां दशक नेतृत्व और आशा का होना चाहिए। इस आशा और विश्वास के कारण भारत की प्रशंसा वैश्विक स्तर पर हो रही है और पाकिस्तान के नकारात्मक व चापलूसी भरे शब्द निंदा के पात्र बन चुके हैं।

बचत उत्सव मनाने की तार्किकता

रोजमर्रा की चीजें घी, पनीर, मक्खन, दूध और आइसक्रीम आदि सस्ते हो गए हैं। टीवी, वाशिंग मशीन और एसी आदि भी सस्ते हो जाएंगे। कहा जा रहा है कि नागरिकों को डेढ़ लाख करोड़ रुपये की बचत दे दी गई है। इसीलिए आमंत्रण है कि आओ जीएसटी बचत उत्सव मनाएं। बहरहाल, आम आदमी के लिए कीमतों का कोई नियमित चक्रव्यूह कीमत नियंता रच रहे हैं तो इसकी भी पड़ताल कर ली जाए।

सुरेश सेठ

केंद्र सरकार की तरफ से संकेत मिले कि देश जीएसटी महोत्सव मनाए। दरअसल, किसी भी वस्तु के उत्पादन की लागत पर निश्चित लाभ के अनुसार उत्पादक जो कीमत तय करता है, उस पर अब तक जीएसटी अर्थात वस्तु एवं सेवा कर की चार दरें लगती रही हैं। ये थीं 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत और 28 प्रतिशत। लालकिले की प्राचीर से वादा था कि आम आदमी के लिए कीमतों का और उससे पैदा महंगाई का युग बदल दिया जाएगा। महंगाई को विदा कर दिया जाएगा। जीएसटी की चार दरों के स्थान पर केवल दो दरें रह जाएंगी। हां, इसके साथ जो विलासिता वस्तुएं हैं, उन पर 40 प्रतिशत कर रहेगा। कहा जा रहा है कि देश में 375 से ज्यादा वस्तुएं सस्ती कर दी गईं अर्थात 99 प्रतिशत वस्तुएं 5 प्रतिशत जीएसटी स्लैब के अंतर्गत आ गईं। अब 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत दो टैक्स स्लैब रह गए हैं।

12 और 28 प्रतिशत टैक्स स्लैब हटा दिये गए हैं। निस्संदेह कर भार में कमी हुई है। इसका मतलब यह कि देश में सस्ती वस्तुओं का दौर शुरू हो गया है और नागरिक बाजार जाते हुए राहत की सांस ले सकते हैं। अब यह सांस कितनी राहत भरी है, इसके बारे में विचार करना पड़ेगा। रोजमर्रा की चीजें घी, पनीर, मक्खन, दूध और आइसक्रीम आदि सस्ते हो गए हैं। टीवी, वाशिंग मशीन और एसी आदि भी सस्ते हो जाएंगे। कहा जा रहा है कि नागरिकों को डेढ़ लाख करोड़ रुपये की बचत दे दी गई है। इसीलिए आमंत्रण है कि आओ जीएसटी बचत उत्सव मनाएं। बहरहाल, आम आदमी के लिए कीमतों का कोई नियमित चक्रव्यूह कीमत नियंता रच रहे हैं तो इसकी भी पड़ताल कर ली जाए। पहली बात समझ लीजिए कि इन 375 वस्तुओं को 54 वस्तुओं के वर्ग में बांध दिया गया है। यहां घटी हुई कीमतें दिखाई जाएंगी। सरकार का हुक्म है कि हर बेची जाने वाली कीमत पर पुरानी कीमत और अब घटी हुई नई कीमत की स्लिप लगाई जाए। यह सावधानी इसलिए क्योंकि जिन दुकानदारों के पास पुरानी एमआरपी का सामान स्टॉक में है, उनकी स्लिप भी वही कीमत दिखाएगी।

इसलिए अब घटी हुई कीमतों का स्टिकर लगाना जरूरी है। आदेश है कि पुराना स्टॉक होने के बहाने आप घटी कीमत देने से बच नहीं सकते। 22 सितंबर के बाद बिक्री योग्य हर सामान नई घटी कीमतों पर ही बेचा जाएगा। चौकसी रखने वाले अधिकारी देखेंगे कि इन आदेशों का पालन हो रहा है या नहीं। बिल बनाएंगे तो आपको साफ दिखेगा कि कीमत कटौती का पूरा लाभ आपको मिला है या नहीं, क्योंकि इस बिल पर नई दरों के आधार पर टैक्स घटा है या नहीं, इसकी जांच हो जाएगी। अब उम्मीद तो यही है कि कीमतें घटने के कारण सस्ती हुई इन वस्तुओं की खपत बढ़ेगी।

महंगाई घटेगी। इससे प्रोत्साहित होकर निवेशक उत्पादन बढ़ाएंगे और बेरोजगारों को रोजगार मिलेगा। लेकिन जैसे ही यह कानून लागू हुआ तो शेयर मंडियों की पहली प्रतिक्रिया सूचकांक के गिरने की थी। कारण यही है कि मांग तो बाद में बढ़ेगी लेकिन फिलहाल तो कीमतें कम होने से घाटा बढ़ गया। सरकार ने पुरानी एमआरपी पर खरीदी वस्तुओं की क्षतिपूर्ति करने का जो वादा किया है, उसका भुगतान भी दफ्तरी कार्रवाई के बाद आने वाले दिनों में होगा। वैसे जीएसटी की इस कटौती के बाद सोना, चांदी, पेट्रोल, डीजल, गैस सिलेंडर, स्मार्टफोन, लैपटॉप की कीमतों पर असर नहीं होगा। कुछ ऐसी वस्तुएं हैं जिन पर या तो पहले ही टैक्स कम है या उन पर जीएसटी लागू नहीं होता। अब यदि दुकानदार पुरानी एमआरपी पर सामान बेचता है तो सरकार ने उसके विरुद्ध शिकायत करने के लिए टोलफ्र ी नंबर दे दिया है। लेकिन आम राय यह है कि मंडियों को नए कानून से समायोजित होने में देर लगती है। कभी इस इंतजार में नौकरशाही ढीली पड़ जाती है और कंपनियां इस घटी हुई दरों को समायोजित कर लेती हैं।

बहरहाल, यदि जीएसटी घटने का असर स्वदेशी वस्तुओं की मांग बढ़ने के रूप में होता है तो यह शुभ है। इस प्रकार की कर कटौती से लाया गया सस्ता युग दीर्घकालीन नहीं रहता। अत: जरूरी है कि जो भी सुधार लागू किया जाए, उसके सभी भागों के संतुलन की ओर ध्यान देना भी सही आर्थिक नीति है। सस्ता युग लाना है तो केवल कर घटाने से काम नहीं होगा, उत्पादन लागत का संतुलन भी जरूरी है, जो उत्पादकता के उपकरणों की लागत को घटाने से होगा। वह लागत तभी घट सकती है, अगर डिजिटल युग, रोबोटिक युग और कृत्रिम मेधा के उपकरणों का इसके लिए इस्तेमाल किया जाए। शायद अंतर्राष्ट्रीयकरण के इस युग में पूरी तरह स्वदेशीकरण पर निर्भर नहीं रहा जा सकता, लेकिन देश आत्मनिर्भर तो हो ही सकता है। एक आत्मनिर्भर देश में जहां कच्चे माल की कीमतों पर नियंत्रण करने का प्रयास किया जा रहा है, बेकारों को नया रोजगार देने का प्रयास किया जा रहा है, तो फिर बेशक कर कटौती के इस उत्सव का अर्थ सार्थक हो जाता है।

स्किन पर निकल रहे हैं दाने तो करें ये उपाय

दरअसल, चेहरे की त्वचा काफी सेंसेटिव भी होती है। जिसकी वजह से जरा सी लापरवाही या किसी भी ब्यूटी प्रोडक्ट्स का प्रभाव या ठंडी और गर्मी से त्वचा को काफी नुकसान पहुंचता है, इसकी वजह से स्किन पर दाने निकलने लगते हैं क्योंकि कभी तो भीषण गर्मी होती है, तो वहीं कभी इतनी तेज बारिश होती है, कि मौसम काफी ठंडा हो जाता है। इस बदलते मौसम की वजह से लोगों की स्किन पर घमौरी और छोटे-छोटे दाने निकलने लगते हैं। इसके अलावा हॉर्मोनल डिस्बैलेंस, बदलता मौसम, प्रदूषण और धूल-मिट्टी आदि की वजह से चेहरे की स्किन खराब होने लगती है। ये दिक्कत ऐसी होती है कि अगर इसका ध्यान सही समय पर न रखा जाए तो डॉक्टर के पास जाने तक की नौबत आ सकती है। कई मामलों में तो कपड़े तक पहनना बेहद ही मुश्किल हो जाता है। इस समस्या से निजात पाने के लिए आप कुछ घरेलू नुस्खों का प्रयोग कर सकते हैं। जिसका प्रयोगकर आप इस दिक्कत से राहत पा सकते हैं।

नीम का पानी

अगर आपके घर के आस-पास नीम का पैड़ लगा है तो इससे अच्छा उपाय आपके लिए कुछ हो ही नहीं सकता। इसके लिए सबसे पहले नीम की पत्तियों को तोड़कर उसे अच्छी तरह से धो लें। पत्तियों को धोने के बाद उसे पानी में उबाल लें। अब चाहें तो इस पानी को ठंडा करके इससे स्नान करें। नहीं तो आप इस पानी को रुई की मदद से भी अपनी स्किन पर लगा सकते हैं। ये फंगल इंफेक्शन से भी राहत पहुंचाती है।

ये गलतियां भूल से भी न करें

यदि आपकी स्किन पर दाने निकल रहे हैं, जिनपर जलन और खुजली हो रही है तो गलती से भी ज्यादा टाइट कपड़े न पहनें। यदि आपको ज्यादा पसीना आता है तो उसे हल्के कपड़े या फिर टिश्यू की मदद से लगातार साफ करते रहें। दिन में दो बार ठंडे पानी से स्नान करें, ताकि त्वचा को ठंडक मिलती रहे।

बेसन और दही

जिस तरह से ये दोनों चीजें स्किन केयर में इस्तेमाल की जाती हैं, ठीक उसी तरह से 1 चम्मच बेसन और 1 चम्मच दही मिलाकर पेस्ट बनाएं। अब इस पेस्ट को स्किन पर आए दानों पर अप्लाई करें। 15 मिनट के बाद अपनी स्किन को साफ पानी से धोकर साफ कर लें। जहां बेसन आपकी स्किन को साफ करेगा, वहीं दही स्किन को ठंडक पहुंचाने का काम करेगा। यह फेस पैक पूरी तरह से नेचुरल है और बिना किसी साइड इफेक्ट के आपकी त्वचा को निखारने में मदद करता है। बेसन एक नेचुरल क्लींजर की तरह काम करता है। जिससे चेहरा साफ और फ्रेश नजर आता है। दही में मौजूद लैक्टिक एसिड त्वचा को एक्सफोलिएट करने के साथ उसे मॉइस्चराइज भी करता है। इससे स्किन सॉफ्ट और ग्लोइंग बनती है।

चंदन का लेप

हर भारतीय घर में चंदन काफी आसानी से मिल जाता है, क्योंकि इसका इस्तेमाल पूजा-पाठ में होता है। इसी चंदन का पेस्ट बनाकर अगर आप उसे स्किन पर आए दानों पर लगाएंगे तो इससे आपको खुजली और जलन से राहत मिलेगी। ये शरीर को ठंडक पहुंचाने का काम करता है। इसका पेस्ट बनाते समय सफाई का ध्यान रखें। वरना आपको ही काफी दिक्कत हो जाएगी। इसके अलावा चंदन का लेप चेहरे के कील मुहांसों या एक्ने की समस्या को दूर करने में भी कारगर होता है। इतना ही नहीं एक्ने के कारण चेहरे पर होने वाली सूजन पर भी चंदन का लेप प्रभावकारी है। इसके लिए आप चंदन के लेप में चुटकी भर हल्दी मिलाएं। इसे अपने पूरे चेहरे या फिर प्रभावित स्थान पर लगाएं। 15 मिनट बाद साफ पानी से धो लें। इससे आपको काफी आराम मिलेगा। अगर आपकी सेंसिटिव स्किन है, तो आप सिर्फ चंदन का लेप भी लगा सकते हैं।

हंसना मना है

ये वो दौर है जनाब, जहां इंसान गिर जाये तो हंसी निकल जाती है और मोबाईल गिर जाये तो जान निकल जाती है।

दो लड़कियां बस में सीट के लिए लड़ रही थीं, कंडक्टर- अरे क्यों लड़ रही हो, जो उम्र में सबसे बड़ी है वो बैठ जाए, फिर क्या, पूरे रास्ते दोनों खड़ी ही रहीं।

लड़का : मैं उस लड़की से शादी करुंगा, जो मेहनती हो, सादगी से रहती हो, घर को संवारकर रखती हो, आज्ञाकारी हो। प्रेमिका : मेरे घर आ जाना, ये सारे गुण मेरी नौकरानी में है।

एक भिखारी को 100 का नोट मिला, वो फाइव स्टार होटेल में गया और भरपेट खाना खाया,1500 रुपये का बिल आया, उसने मैनेजर से कहा, पैसे तो नहीं है, मैनेजर ने पुलिस के हवाले कर दिया, भिखारी ने पुलिस को 100 का नोट दिया, और छूट गया, इसे कहते हैं... फाइनेन्सियल मैनेजमेन्ट विदाउट एमबीए इन इंडिया।

पिंकी- डॉक्टर साहब मुझे अजीब सी बीमारी लग गयी है, डॉक्टर- कौन सी, पिंकी- जब मैं किसी से बात करती हूं तो वो मुझे दिखाई नहीं देता, डॉक्टर- ओह ऐसा कब कब होता है, पिंकी- जब किसी से फोन पे बात करती हूं तब, डॉक्टर अब तक बेहोश हैं...

कहानी — बिना अकल के नकल

एक बार देश में सूखे की वजह से अकाल पड़ गया। सभी लोगों की फसलें सूखकर बर्बाद हो गई। लोग खाने-पीने के लिए तरसने लगे। बेचारे कौवों और अन्य पशु-पक्षियों को भी रोटी या खाने के टुकड़े नहीं मिल रहे थे। एक दिन एक कौवा-कौवी की जोड़ी एक पेड़ पर रूके और वहीं पर अपना बसेरा बना लिया। उसी पेड़ के नीचे एक तालाब था। उस तालाब में पानी में रहने वाला एक कौवा रहता था। वह दिन भर पानी में रहता और ढेर सारी मछलियां पकड़कर अपना पेट भरता रहता था। वहीं, पेड़ की डाल पर बैठा कौवा, जब पानी वाले कौवे को देखता, तो उसका भी मन उसी की तरह बनने का करता। उसने सोचा कि अगर वह पानी वाले कौवे से दोस्ती कर ले, तो उसे भी दिन भर खाने के लिए मछलियां मिलेंगी और उसके भी दिन अच्छे से गुजरने लगेंगे। वह तलाब के किनारे गया और पानी वाले कौवे से मीठे स्वर में बात करने लगा। उसने कहा-मित्र सुनो, तुम बहुत ही स्वस्थ हो। पलक झपकते ही मछलियां पकड़ लेते हो। क्या मुझे भी अपना यह गुण सिखा दोगे? यह सुनकर पानी वाले कौवे न कहा-मित्र, तुम यह सीखकर क्या ही करोगे, जब भी तुम्हें भूख लगे, तो मुझे बता दिया करो। मैं तुम्हें पानी में से मछलियां पकड़कर दे दूंगा और तुम खा लिया करना। उस दिन के बाद से जब भी कौवे को भूख लगती, वह पानी वाले कौवे के पास जाता और उससे ढेर सारी मछलियां लेकर खाता। एक दिन उस कौवे ने सोचा कि पानी में जाकर बस मछलियां ही तो पकड़नी हैं। यह काम वह खुद भी कर सकता है। एक दिन वह तालाब के पानी में जाने लगा, तो पानी वाले कौवे ने उससे फिर कहा-मित्र, तुम ऐसा मत करो। तुम्हें पानी में मछली पकड़ना नहीं आता है, इस वजह से पानी में जाना तुम्हारे लिए जोखिम भरा हो सकता है। कौवे ने घमंड में कहा-मैं भी तुम्हारे जैसा पानी में जाकर मछलियां पकड़ सकता हूं और आज मैं ऐसा करके साबित भी कर दूंगा। इतना कहकर उसने तालाब में छपाक छलांग लगा दी। और काई में वह फंस गया। उस कौवे को काई हटाने या उससे बाहर निकलने का कोई अनुभव नहीं था। उसने काई में अपनी चोंच मारकर उसमें छेद करना चाहा। इसके लिए जैसे ही उसने अपनी चोंच काई में धंसाई उसकी चोंच भी काई में फंस गई। काफी प्रयास करने के बाद भी वह उस काई से बाहर न निकल सका और कुछ देर बाद पानी में दम घुटने की वजह से उसकी मृत्यु हो गई। बाद में कौवे को ढूंढते हुए कौवी भी तालाब के पास आई। वहां आकार उसने पानी वाले कौवे से अपने कौवे के बारे में पूछा। पानी वाले कौवे ने सारी बात बताते हुए कहा-मेरी नकल करने के चक्कर में, उस कौवे ने अपने ही हाथों से अपने प्राण गंवा दिये।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवेक से कार्य करें। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं।

वृषभ — पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। मनोरंजन का समय मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। कारोबारी वृद्धि की योजना बनेगी।

मिथुन — बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। काम में मन नहीं लगेगा।

कर्क — थकान व कमजोरी रह सकती है। खान-पान पर ध्यान दें। घर-परिवार की चिंता बनी रहेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। मित्रों की सहायता करने का मौका मिलेगा।

सिंह — विवाद को बढ़ावा न दें। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। आत्मसम्मान बनेगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी।

कन्या — उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति पर व्यय होगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी।

तुला — स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। तनाव रहेगा। व्यापार ठीक चलेगा। यात्रा में विशेष सावधानी रखें।

वृश्चिक — दूर से अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। यात्रा मनोरंजक रहेगी। प्रसन्नता बनी रहेगी।

धनु — लेन-देन में जल्दबाजी न करें। समय अनुकूल है। कोई आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी। योजना फलीभूत होगी।

मकर — वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। कानूनी अड़चन दूर होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। मनोरंजन के साधन प्राप्त होंगे। लाभ होगा।

कुम्भ — मित्रों तथा रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। मनोरंजन होगा। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। जल्दबाजी व लापरवाही भारी पड़ सकती है। विवाद हो सकता है।

मीन — बुद्धि का प्रयोग किसी भी समस्या का निवारण कर सकता है, यह याद रखें। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

'महाकाली' से अक्षय का फर्स्ट लुक जारी, शुक्राचार का निभाएंगे किरदार

'हनुमान' फिल्म के निर्देशक प्रशांत वर्मा एक बार फिर पौराणिक कथाओं पर आधारित एक नई फिल्म लेकर आ रहे हैं। फिल्म का नाम है 'महाकाली'। अब फिल्म 'महाकाली' से अभिनेता अक्षय खन्ना का फर्स्ट लुक सामने आया है। अक्षय फिल्म में शुक्राचार्य के किरदार में नजर आएंगे।

शुक्राचार्य के लुक में अक्षय खन्ना काफी खतरनाक अंदाज में नजर आ रहे हैं। पोस्टर में उनके चारों ओर अंधेरा है। शुक्राचार्य के लुक में अक्षय सफेद रंग के बड़े बालों और बड़ी दाढ़ी में नजर आ रहे हैं। उनके सिर पर ऋषियों की तरह जूड़ा भी बंधा हुआ है। उनकी एक आंख पूरी तरह से सफेद नजर आ रही है। शुक्राचार्य के लुक में अक्षय को पहचानना पूरी तरह से मुश्किल लग रहा है।

फिल्म को लेकर अभी और अधिक जानकारी सामने नहीं आई है। न ही फिल्म की बाकी कास्ट के बारे में भी अभी पता चला है। सिर्फ अक्षय का लुक सामने आया है, जो अब काफी पसंद किया जा रहा है। अक्षय के लुक के सामने आने के बाद अब फिल्म को लेकर लोगों में उत्साह

निर्देशक प्रशांत वर्मा ने शेयर किया लुक

'महाकाली' प्रशांत वर्मा के 'प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स' का हिस्सा है। निर्देशक प्रशांत वर्मा ने अब फिल्म से अक्षय खन्ना के लुक को शेयर किया है। लुक को शेयर करते हुए प्रशांत वर्मा ने लिखा, 'देवताओं की छाया में विद्रोह की सबसे प्रखर ज्वाला उठी। प्रस्तुत करते हैं अक्षय खन्ना को शाश्वत असुरगुरु शुक्राचार्य के रूप में।'

फिल्म 'जटाधारा' का गाना 'धना पिशाची' रिलीज

सोनाक्षी के किलर लुक ने फैंस का जीत लिया दिल

बॉलीवुड | मसाला

सोनाक्षी सिन्हा एक बार फिर छा जाने को तैयार हैं। उनकी आने वाली फिल्म जटाधारा की तो पहले से ही चर्चा है। अब इस फिल्म के नए गाने धना पिशाची ने भी फैंस को एक्साइटमेंट से भर दिया है। जटाधारा से धमाकेदार गाना धन पिशाची रिलीज किया गया है। इस गाने में सोनाक्षी ने अपने किलर मूव्स दिखाकर सबका दिल जीत लिया है। आंखों में बदले की आग लिए एक्ट्रेस ताबड़तोड़ डांस करती दिख रही हैं। सोनाक्षी सिन्हा पीली साड़ी में इंटेंस लुक देती दिख रही हैं। मुश्किल डांस मूव्स दिखातीं सोनाक्षी मानो आंखों से वार कर रही हों। इंस्टाग्राम पर गाने का क्लिप शेयर कर कैप्शन में लिखा गया कि धन की परछाईं में एक श्राप छुपा है। सोनाक्षी की अदाओं पर फैंस दिल हार बैठे हैं। हर कोई उनके लुक से लेकर उनकी मूव्स की तारीफ कर रहा है। फैंस समेत एक्टर सिद्धांत चतुर्वेदी ने भी कमेंट कर एक्ट्रेस की तारीफ की और उन्हें फायर बताया। वहीं यूजर्स उनका कम्पैरिजन चंद्रमुखी से कर रहे हैं। फैंस सोनाक्षी की तारीफ करते हुए एक पूरे आइटम डांस सॉन्ग की भी मांग कर रहे हैं। धना पिशाची बनीं सोनाक्षी जटाधारा एक पौराणिक और रहस्यमय कहानी है, जिसमें सोनाक्षी धन पिशाचनी नाम की शक्तिशाली दानवी देवी का किरदार निभा रही हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

मैं और गोविंदा पिछले 15 सालों से रह रहे हैं अलग : सुनीता

गोविंदा अपनी निजी जिंदगी को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहते हैं। कुछ दिनों पहले तक पत्नी सुनीता आहूजा से तलाक की खबरों को लेकर एक्टर काफी चर्चाओं में थे। हालांकि, दोनों की ओर से ये स्पष्ट किया गया कि वो साथ में हैं। अब एक बार फिर सुनीता आहूजा ने तलाक, गोविंदा के अफेयर और अपनी निजी जिंदगी को लेकर बात की। उन्होंने एक बार फिर इस तरह की तमाम अफवाहों को सिरे से खारिज किया। सुनीता आहूजा के लेटेस्ट वीडियो व्लॉग में भोजपुरी अभिनेत्री संभावना सेठ नजर आईं। इस दौरान संभावना ने सुनीता से कई व्यक्तिगत सवाल भी किए। इस दौरान सुनीता ने गोविंदा के अफेयर की अफवाहें सुनने की बात स्वीकार की और कहा कि अगर उन्होंने गोविंदा को धोखा देते हुए पकड़ा, तो वह मीडिया को सबसे पहले यह बात बताएंगी। सुनीते ने कहा, 'समस्या ये है कि इनके परिवार में लोग हैं जो मुझे और गोविंदा को साथ नहीं देखना चाहते। वो सोचते हैं इनका परिवार इतना खुश क्यों है क्योंकि उनके खुद के बीवी बच्चे मर गए हैं। गोविंदा अच्छे लोगों के साथ उठते-बैठते नहीं हैं। तो क्या है ना जैसा मैं बोलती हूं, अगर तुम गंदे लोगों के साथ रहोगे तो वैसे बन जाओगे। आज मेरा फ्रेंड सर्कल नहीं है, मेरे बच्चे मेरे दोस्त हैं। अफेयर और अन्य अफवाहों से परेशान होने को लेकर सुनीता ने कहा कि मैं और ची ची 15 साल से अलग-अलग घरों में आमने-सामने ही रहते हैं। लेकिन आना जाना तो करते रहते हैं न घर पर। जो अच्छी औरत को दुख देगा वो कभी सुखी नहीं रहेगा, बेचैन रहेगा। मैंने बचपन से लेके अपनी पूरी जिंदगी दे दी उनको, आज भी इतना प्यार करती हूं। नाराजगी बिल्कुल है, क्योंकि मैं भी तो सुन ही रही हूं। मैं भी इन अफवाहों से बिल्कुल ही परेशान होती हूं, लेकिन मैं बहुत मजबूत हूं क्योंकि मेरे पास मेरे बच्चे हैं।

यहां मछली नहीं, नदी से निकालते हैं पत्थर हाथों की सफाई से बना देते हैं बेशकीमती!

एशिया के एक कोने में, जहां नदी की लहरें मार्बल के पहाड़ों से टकराती हैं, वहां एक ऐसा बाजार है जो पत्थरों को सोने में बदल देता है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा वीडियो वियतनाम के दा नांग शहर के नॉन नुओक स्टोन कार्विंग विलेज का है, जहां कारीगर नदी से निकले बड़े-बड़े पत्थरों को हाथों की सफाई से तराशकर बेशकीमती बर्तन, फूलदान, मूर्तियां और शोपीस बना देते हैं। यह वियतनाम का प्रसिद्ध आर्ट हब है। यहां मछली पकड़ने की बजाय लोग नदी से पत्थर निकालते हैं। उसके बाद उनसे लाखों डॉलर का कारोबार होता है। यह कला सदियों पुरानी है जहां कस्टमर्स खुद पत्थर चुनते हैं और अपनी जरूरत के मुताबिक आइटम बनवाते हैं। नॉन नुओक विलेज दा नांग के मार्बल माउंटेंस (नगु हांग सॉन) की तलहटी में बसा है, जो यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट के पास है। यहां की मार्बल चट्टानें नदी से बहकर आती है या पहाड़ों से काटी जाती है। कारीगर इन्हें नदी किनारे साफ करते हैं फिर बाजार में बिछा देते हैं। वीडियो में दिखता है कैसे कस्टमर मार्बल का पत्थर चुनता है और फिर अपने हिसाब से कारीगर को उसे ढालने को कहता है। आर्टिस्ट भी बड़ी बारीकी से इन्हें लरशकर तैयार करते हैं। पत्थर का जैसा आकार और डिजाइन होता है, उसके हिसाब से इसकी कीमत तय की जाती है। लोग यहां घूमने आते हैं और अपने साथ बेशकीमती याद लेकर जाते हैं। कारीगर हथौड़े-छेनी से घंटों मेहनत करते इन पत्थरों को शेप देते हैं। पत्थर को चमकदार बना देते हैं। शुरू में यहां मंदिरों के लिए मूर्तियां बनती थी लेकिन अब टूरिस्ट आइटम्स भी बनाए जाते हैं। इस बाजार का आकर्षण है कस्टमाइजेशन। कस्टमर्स अलग-अलग रंगों के पत्थर चुनते हैं जिसमें सफेद, ग्रे और ग्रीन मार्बल तक शामिल है। इसके बाद कारीगर को डिजाइन बताते हैं। बाउल, प्लेट, स्टैच्यू, यहां तक कि होम डेकोर पीस तक बनाया जाता है। कारीगरों की सफाई कमाल की होती है। आईजिटूर ने अप्रैल 2025 में रिपोर्ट की कि नॉन नुओक दा नांग का सबसे पुराना क्राफ्ट विलेज बताया। यहां के प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट होते हैं यूएस, यूरोप में। एक स्टोन बाउल की कीमत भारत में 5-10 हजार रु तक होती है लेकिन असली मार्बल वाला महंगा होता है। इसके बावजूद लोग अपने साथ यादें लेकर जाते हैं।

अजब-गजब | चीन ने सड़कों की मजबूती के निकाला अजीब तरकीब

यहां अंडों से बनती है रोड, सड़कें होती हैं सुपर मजबूत

आपने आजतक कई बार अंडे खाए होंगे। देसी-बॉयलर अंडों से कई तरह की चीजें बनती है। कोई इन्हें उबाल कर खाता है। कोई इनका ऑमलेट बनाकर खाता है। लेकिन क्या आपने कभी ये सुना है कि इन अंडों से सड़क बनती है? जी हां, हम मजाक नहीं कर रहे। सोशल मीडिया पर ऐसे कई पोस्ट वायरल हो रहे हैं, जिसमें दावा किया गया है कि अंडे से बनी सड़क मजबूती में हर सड़क को टक्कर देती है। भारत में सड़कें बनते ही टूटने लगती हैं, गड्ढों का राजा हो जाता है। लेकिन चीन की सड़कें? वो तो सालों-साल चमकती रहती हैं, बिना एक दरार के! इसका राज क्या है? अंडे! जी हां, आपने सही पढ़ा। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियोज में दावा किया जा रहा है कि चाइनीज इंजीनियर्स अंडे के छिलकों को फाइन पाउडर बनाकर कंक्रीट मिक्स में डालते हैं, जो सड़कों को सुपर मजबूत बना देता है। यह खबर ना केवल हैरान करने वाली है, बल्कि पर्यावरण के लिहाज से भी क्रांतिकारी है। लेकिन क्या यह सिर्फ वायरल मिथ है या हकीकत? आइए,जानते हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे इंस्टाग्राम और टिकटॉक पर #EggRoadChina ट्रेंड कर रहा है। एक वीडियो में दिखाया गया है कि कैसे सड़कों पर अंडे फेंक दिए और फिर उसी के ऊपर सड़क का निर्माण कर दिया गया। वीडियो को करोड़ों व्यूज मिल चुके हैं। रिसर्च पेपर्स के मुताबिक, अंडे के छिलके में कैल्शियम कार्बोनेट होता है, जो सीमेंट को मजबूत बनाता है और दरारें रोकता है। चीन की यह इनोवेशन कोई नई बात नहीं है। बीजिंग यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने एक स्टडी पब्लिश की, जिसमें बताया गया कि एगशेल पाउडर से कंक्रीट की स्ट्रेंथ कई गुना बढ़ जाती है। यह मटेरियल ना केवल सस्ता है, बल्कि वेस्ट रिडक्शन भी करता है।

चीन में हर साल अरबों अंडे प्रोड्यूस होते हैं, जिनके छिलके कचरा बन जाते थे। अब इन्हें रिसाइकल कर सड़कें बना रहे हैं। उदाहरण के तौर पर, शंघाई-पुडोंग एक्सप्रेसवे का एक सेक्शन इसी टेक्नोलॉजी से बना, जो 50 किलोमीटर लंबा है और अभी तक बिना मेंटेनेंस के चल रहा है। चाइनीज गवर्नमेंट की रिपोर्ट कहती है कि इससे सड़क लाइफ 30 साल से बढ़ाकर 50 साल हो गई है। वहीं पर्यावरण मिनिस्ट्री ने इसे 'ग्रीन कंस्ट्रक्शन' का अवॉर्ड दिया है। आईआईटी दिल्ली के प्रोफेसर डॉ। राजेश कुमार ने कहा, अंडा पाउडर जैसी इनोवेशन भारत में भी अपनाई जा सकती है। हमारा देश दुनिया का सबसे बड़ा अंडा प्रोड्यूसर है, छिलकों का वेस्ट 10 लाख टन सालाना है। इसे रिसाइकल करें तो सड़कें मजबूत होंगी और पॉल्यूशन कम होगा।

लद्दाख का दुख पूरे देश का दुख : खरगे

कांग्रेस के मोदी सरकार से तीखे सवाल

» कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा- जो चीन को क्लीनचिट दे सकते हैं, वो हमारे थरचिन जैसे वीर जवानों के बलिदान का क्या मान रखेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लेह-लद्दाख के मौजूदा हालात पर कांग्रेस पार्टी ने तीखे सवाल पूछे हैं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गलवां घाटी में भारत के 20 सैनिकों के बलिदान का जिक्र कर सरकार को घेरा है। दूसरी तरफ लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गोलीबारी की न्यायिक जांच कराए जाने की मांग की है। इन सबके बीच कर्फ्यू में सात घंटे की ढील दिए जाने के बाद लेह में जनजीवन पटरी पर लौट रहा है। प्रदेश के ताजा हालात पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने उन्होंने एक्स हैंडल पर लिखे एक पोस्ट में कहा, लद्दाख का दुख पूरे देश का दुख है।

उन्होंने केंद्र सरकार से तीखे सवाल भी किए। खरगे ने पूछा, शहीद त्सेवांग थरचिन ने कारगिल युद्ध में भारत माता के प्रति अपना कर्त्तव्य निभाया बदले में मिला क्या? लद्दाख में मोदी सरकार की गोली । उन्होंने दावा किया, गलवां में जब हमारे 20 वीर जवानों ने लद्दाख के एलएसी पर देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी, तब स्वयं मोदी ने चीन को क्लीनचिट थमाई थी। तब उन्हें हमारे जांबाजों की वीरता की याद न आई, तो अब क्या खाक आएगी। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, जो चीन को क्लीनचिट दे सकते हैं, वो हमारे थरचिन जैसे वीर जवानों के बललान का मान क्या रखेंगे?

वांगचुक के साथ हो रहा व्यवहार निंदनीय: दिग्विजय

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने लद्दाख में 24 सितंबर को हुई हिंसा के बाद गिरफ्तार किए गए जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक का समर्थन किया है। दिग्विजय सिंह ने कहा, मैं सोनम वांगचुक को लंबे समय से जानता हूं। हाल ही में संसद की स्थायी समिति की यात्रा के दौरान हमने वांगचुक के संस्थानों का दौरा किया। वह एक अद्भुत व्यक्ति हैं और कई प्रतिभाओं से संपन्न हैं। वह एक शिक्षाविद, पर्यावरणविद, कार्यकर्ता और गांधीवादी हैं। उनके साथ जिस तरह का व्यवहार किया जा रहा है, वह पूरी तरह निंदनीय है। सोनम वांगचुक को हाल ही में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया था। वह फिलहाल राजस्थान के जोधपुर की जेल में बंद हैं।

वांगचुक लंबे समय से लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश से पूर्ण राज्य का दर्जा देने और इसे संविधान की छठी अनुसूची के तहत जनजातीय सुरक्षा प्रदान करने की मांग कर रहे थे। दिग्विजय सिंह ने पहले भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा था, सोनम वांगचुक के खिलाफ राष्ट्रद्रोह का मुकदमा चलाना घोर आपत्तिजनक है। हम इसकी भर्त्सना करते हैं। पूरी कांग्रेस पार्टी सोनम वांगचुक के साथ खड़ी है।

गौरतलब है कि लद्दाख में 24 सितंबर को हुई हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई थी और 80 से अधिक लोग घायल हुए थे। पुलिस का आरोप है कि वांगचुक के भड़काऊ भाषणों ने प्रदर्शनकारियों को उग्र कर दिया, जिससे हिंसा फैल गई।

कौन अपने ही लोगों पर गोली चलाता है : गीतांजलि अंगमो

जेल में बंद कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंगमो ने दावा किया कि छठी अनुसूची को लागू करने से बचने और उनके पति के खिलाफ आरोपों का जवाब देते समय किसी को बलि का बकरा बनाने के लिए एक मनगढ़ंत कहानी बनाई गई है। उन्होंने पुलिस पर निशाना साधा और लद्दाख के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) एसडी सिंह जामवाल के बयान की निंदा की। उन्होंने कहा कि हम लद्दाख के डीजीपी के बयानों की कड़ी निंदा करते हैं। न केवल मैं, बल्कि लद्दाख में हर कोई इन आरोपों की निंदा करता है। गौरतलब है कि लद्दाख के डीजीपी ने शनिवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी, जिसमें उन्होंने वांगचुक के पाकिस्तान से संबंधों का आरोप लगाया था और पड़ोसी देशों की उनकी यात्राओं पर सवाल उठाए थे। 24 सितंबर की घटनाओं को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए, उन्होंने सुरक्षा बलों की भूमिका पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सीआरपीएफ को गोली चलाने का आदेश किसने दिया? कौन अपने ही लोगों, अपने ही नागरिकों पर गोली चला रहा है? खासकर ऐसे इलाके में जहाँ कभी कोई हिंसक प्रदर्शन नहीं हुआ। अपने पति के इस अशांति में शामिल होने के आरोपों को खारिज करते हुए, उन्होंने कहा कि वांगचुक केवल शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों में शामिल थे।

भाजपा बताए, कब मिलेंगे 1500 करोड़ : सुक्खू

» सीएम बोले- एक नेता कुछ बोलता है, दूसरा कुछ और

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। विदेश से लौटे मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू भाजपा पर हमलावर दिखे। सीएम ने कहा कि भाजपा यह बताए कि प्रधानमंत्री जो 1500 करोड़ रुपये घोषित करके गए हैं, वह कब तक मिलेंगे। जब हिमाचल प्रदेश दर्द से कराह रहा हो और आपदा से प्रभावित हो तो उसी समय यह फंड मिलना चाहिए। भाजपा के पास कोई मुद्दा नहीं है। कभी टॉयलेट टैक्स की बात करती है तो कभी कुछ और कहती है। शिमला में पत्रकारों से बातचीत में सुक्खू ने कहा कि विपक्ष सीमेंट पर टैक्स लगाने की बात कर रहा है। टैक्स नहीं लगा है। टैक्स लगाना कुछ और बात होती है। भाजपा पांच गुटों में बंटी है।

इनका एक नेता कुछ बोलता है तो दूसरा

कुछ और। प्रदेश में जीएसटी लगने से बहुत अधिक नुकसान हुआ है। जब 2017 में जीएसटी लगा तो उस समय बद्दी, नालागढ़ जैसे क्षेत्रों और पर्यटन के क्षेत्रों में 4,000 हजार करोड़ रुपये का वैट या आबकारी कर आता था। जीएसटी लगने के बाद यह डेढ़ सौ करोड़ रुपये मिल रहा है। वैट का नुकसान हुआ तो 2017 में हर साल 3200 करोड़ रुपये जीएसटी मुआवजा देने की बात की गई और इसे दिया भी। जून 2022 में भाजपा की सरकार थी तो जीएसटी का मुआवजा बंद कर दिया। सीमेंट उद्योग से सबसे अधिक जीएसटी आता था।

केंद्र पंजाब को दे विशेष पैकेज: मान

» अमित शाह से की हस्तक्षेप की अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से हस्तक्षेप की अपील की और हाल ही में आई अभूतपूर्व बाढ़ के कारण हुए भारी नुकसान के मद्देनजर राज्य के लिए विशेष पैकेज की मांग की। भगवंत मान ने इस मुलाकात के बाद कहा कि आज मैंने देश के गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। मैंने उन्हें पंजाब में बाढ़ की स्थिति के बारे में जानकारी दी, बताया कि 2,300 से अधिक गांव जलमग्न हो गए हैं। 20 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं, 3200 स्कूल नष्ट हो गए हैं, 8500 किलोमीटर सड़कें मलबे में बदल गई हैं। उन्होंने हमारी बातों को बहुत ध्यान से सुना और कहा कि वे पंजाब के लिए और अधिक वित्तीय सहायता प्रदान करेंगे।

मान ने कहा कि अब तक 13,800 करोड़ रुपये का नुकसान दर्ज किया गया

है, लेकिन यह बढ़कर 20,000 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। हर संकट में पंजाब देश के साथ खड़ा रहा है, अब जब पंजाब पर संकट है, तो देश को भी पंजाब के साथ खड़ा होना चाहिए। इससे पहले भगवंत मान ने दावा किया कि भाजपा ने पंजाब में अघोषित राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल प्रधानमंत्री से मिलते हैं। उन्हें मुख्यमंत्री से मिलने का समय नहीं मिलता... आपने पंजाब में अघोषित राष्ट्रपति शासन लगा दिया है। अगर पंजाब खाद्यान्न देने से इनकार कर दे तो आप क्या करेंगे? एक तरफ तो वे कहते हैं कि पंजाब हमारा अन्न भंडार है, लेकिन जब घाटा होता है, तो कहते हैं कि पैसा नहीं मिलेगा।

पंजाब की महिलाओं की दुर्दशा पर मोदी सरकार को कोई परवाह नहीं

बिहार को केंद्र सरकार की सहायता पर टिप्पणी करते हुए, पंजाब के मुख्यमंत्री ने दावा किया कि उन्होंने बिहार की महिलाओं के लिए विशेष रूप से 7,000 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। उन्होंने आगे कहा कि पंजाब में महिलाएं संघर्ष कर रही हैं, और उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार को उनकी दुर्दशा की कोई परवाह नहीं है। मान ने कहा कि बिहार में, जहां चुनाव हो रहे हैं, उन्होंने महिलाओं को लगभग 7,000 करोड़ रुपये दिए। यहां भी, महिलाएं डूब रही हैं। वे तंबुओं में रह रही हैं, उनके घर पानी में डूबे हुए हैं। उन्हें यहां की बहनों और माताओं की परवाह नहीं है... मैं कल केंद्रीय गृह मंत्री के साथ इस सब पर चर्चा करूंगा।...उन्होंने (केंद्र सरकार ने) पंजाब को अघोषित केंद्र शासित प्रदेश बना दिया है।

महिला विश्व कप: भारत ने की जीत से शुरुआत

» श्रीलंका को 59 रनों से हराया दीप्ति का ऑलराउंड प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुवाहाटी। दीप्ति शर्मा के ऑलराउंड प्रदर्शन के दम पर भारतीय महिला टीम ने वनडे विश्व कप के पहले मैच में श्रीलंका को डकवर्थ लुईस नियम से 59 रनों से हराया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए दीप्ति और अमनजोत कौर के अर्धशतकों की मदद से 47 ओवर में आठ विकेट पर 269 रन बनाए। जवाब में श्रीलंका की टीम 45.4 ओवर में 211 रन पर ऑलआउट हो गई। दीप्ति ने बल्ले के बाद गेंद से भी दमदार प्रदर्शन किया और तीन विकेट झटके।

भारत और श्रीलंका के बीच गुवाहाटी में खेले गए इस मैच में बारिश ने भी खलल डाला और दो बार मैच को रोकना पड़ा। बारिश के कारण खेल 47-47 ओवर का हुआ। डीएलएस के जरिये लक्ष्य संशोधित किया गया और श्रीलंका टीम को 271 रन बनाने थे। श्रीलंका के लिए सबसे ज्यादा रन कप्तान चामरी अट्टापट्टू ने बनाए जिन्होंने 43 रनों की पारी खेली। वहीं, निलाक्षी डि सिल्वा ने 35, हर्षिता समरविक्रमा ने 29 और अचिनी कुलासूर्या ने 17 रन बनाए। भारत की ओर से दीप्ति के अलावा स्नेह राणा और श्री चरनी ने दो-दो विकेट लिए,

जबकि क्रांति गौड़, अमनजोत कौर और प्रतिका रावल को एक-एक विकेट मिला। इससे पहले, श्रीलंका ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। भारत ने दीप्ति शर्मा और अमनजोत कौर के अर्धशतकों की मदद से श्रीलंका के सामने महिला वनडे विश्व कप के मुकाबले में चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा। अमनजोत ने 57 रन बनाए, जबकि दीप्ति ने 53 रन बनाए। भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने स्मृति मंधाना का विकेट जल्द ही गंवा दिया जो आठ रन बनाकर हुईं।

वेस्टइंडीज से टेस्ट सीरीज कल से, तैयारी में जुटा भारत

अहमदाबाद। एशिया कप में खिताबी जीत के बाद भारतीय टीम अब वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज की तैयारियों में जुट गई है। दोनों के बीच कल से दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मैच खेला जाना है। भारतीयों ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया, लेकिन इस दौरान बुमराह, कुलदीप और अक्षर पटेल को आराम दिया गया। अभ्यास सत्र में खिलाड़ियों ने हल्का वॉर्म-अप और कैचिंग प्रैक्टिस की। इसके बाद नेट्स पर लंबे समय तक बल्लेबाजी अभ्यास किया। ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ मैच का हिस्सा रहे मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने करीब 45 मिनट तक गेंदबाजी की। यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल की ओपनिंग जोड़ी भी अच्छी लय में दिख रही थी और ध्रुव जुरेल ने भी बल्लेबाजी अभ्यास किया।

रालोद की नवनियुक्त राष्ट्रीय महासचिव शालिनी सिंह सम्मानित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय लोक दल के प्रदेश कार्यालय में नवनियुक्त राष्ट्रीय महासचिव (महिला प्रकोष्ठ) शालिनी सिंह को रालोद पदाधिकारियों द्वारा सम्मानित किया गया। सर्वप्रथम शालिनी सिंह ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ पूर्व प्रधानमंत्री स्व चौधरी चरण सिंह की मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित की। तदोपरांत पार्टी कार्यालय के सभागार में उपस्थित रालोद पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने माला पहनाकर शालिनी सिंह का अभिनंदन किया।

इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय सचिव अनुपम मिश्रा ने शालिनी सिंह को शुभकामनाएं दीं तथा यह विश्वास व्यक्त किया कि वो अपने नये दायित्व का पूर्ण निष्ठा के साथ निर्वहन करते हुए पार्टी को मजबूत करने में हरसंभव योगदान करेंगी।

आई लव मोहम्मद को लेकर हुई हिंसा मामले में सियासी बवाल

भाजपा सरकार की चारों ओर निंदा, कांग्रेस सांसद इमरान मसूद हाउस अरेस्ट, बरेली जाने से पुलिस ने रोका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बरेली। बरेली में आई लव मोहम्मद को लेकर हुई हिंसा मामले में सियासत तेज होती जा रही हैं। सहारनपुर से कांग्रेस इमरान मसूद आज (बुधवार, 1 अक्टूबर) को बरेली के उच्च अधिकारियों से मिलने जा रहे थे लेकिन इससे पहले ही पुलिस उनके घर पर पहुंच गई और उन्हें बरेली जाने से रोक दिया। भाजपा सरकार की इन कारगुजरियों की चारों ओर निंदा हो रही है।

कांग्रेस सांसद इमरान मसूद और उनके करीबी समाजवादी पार्टी के एमएलसी शाहनवाज खान को आज ट्रेन से बरेली जाना था। लेकिन उनके जाने से पहले भारी संख्या में पुलिस फोर्स इमरान मसूद ओर शाहनवाज खान के घर पर पहुंच गई और दोनों नेताओं को हाउस अरेस्ट कर लिया गया। उन्होंने कहा कि मुजफ्फरनगर की सड़कों पर दुकानों को लूटा गया, आपने कुछ नहीं किया। मैं पोस्टर की हिमायत नहीं करता हूं, हमारे घरों पर बुलडोजर चलाना है, हमें होशियार रहना पड़ेगा। हम बुलडोजर चलने नहीं दें. हम मोहब्बत की बात करते हैं, देश के ऐसे हालात हैं कि पोस्टर दिखाने पर टांगे तोड़ देते हो।

बरेली में एक तरफा कार्रवाई हो रही है : इमरान मसूद

इमरान मसूद ने आरोप लगाया कि बरेली में एक तरफा कार्रवाई हो रही है। हमें सिर्फ अधिकारियों से मिलना था, फतेहपुर में मजार पर अराजकता हुई थी वहां कोई कार्रवाही नहीं की गई. नमाज के बाद प्रदर्शन करने का तमाशा बंद कीजिए. जब आप आंदोलन में लोगों को कंट्रोल नहीं कर सकते तो आपको आंदोलन नहीं करना चाहिए।

पुलिस के एक्शन पर उठाए सवाल

कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा कि पुलिस ने हमें बरेली जाने से रोक दिया है. हम शांति के दूत हैं, हमारा एजेंडा नफरत नहीं हो सकता। आप अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए तरह-तरह हथकंडे अपना रहे हो। फतेहपुर में मस्जिद में तोड़फोड़ की गई, लेकिन तब आपने क्या कार्रवाई की।

2027 के चुनाव में हार के डर से मुसलमानों पर डंडा चलाया जा रहा

कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि फतेहपुर में आपका डंडा नहीं उठता है, 2027 के चुनाव में हार के कारण मुसलमान पर डंडा चलाया जा रहा है। इस्लाम मोहब्बत का नाम है, आप नफरत फैला रहे हैं, अपने नाकामी को छुपाने का काम कर रहे हैं, हमारे लिए संविधान सबसे ऊपर है, योगी आदित्यनाथ सबके सीएम हैं, आपको इस तरह की भाषा का इस्तेमाल नहीं करे, मस्जिदें नमाज के लिए है, प्रदर्शन के लिए नहीं है।

कुंवर दानिश अली के घर के बाहर भी तैनाती

वहीं, दूसरी तरफ अमरोहा में निवर्तमान सांसद कांग्रेस नेता कुंवर दानिश अली को भी हाउस अरेस्ट कर लिया गया है. उनके भी बरेली जाने की सूचना थी, जिसके बाद उनके घर पर भारी संख्या में सुबह से ही पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पूर्व सांसद आवास के बाहर कड़ी सुरक्षा व बैरिकेडिंग लगाई गई।

मां दुर्गा बनकर राज्य से भ्रष्टाचार, अपराध महंगाई का संहार करें : तेजस्वी यादव

» राजद नेता का बिहार की महिलाओं से आह्वान

» बोले- बिहार को थके हुए मुख्यमंत्री नहीं चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार चुनाव से पहले पक्ष और विपक्ष के बीच सियासी घमासान जारी है। राष्ट्रीय जनता दल ने सीएम नीतीश कुमार के एक करोड़ रोजगार पर सवाल उठाया कि अब आप इतना पैसा कहां से लाएंगे? अब अचानक नौकरी और रोजगार की याद क्यों आ रही है?

वहीं नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि नवरात्र के पावन अवसर पर मैं बिहार की हर महिलाओं से आह्वान करता हूं कि आप माता दुर्गा का स्वरूप हैं। आप दुर्गा बन संहार करो। भष्टाचार और अपराध को खत्म करो। उन्होंने कहा कि मैं बिहार की माताओं-बहनों से प्रार्थना करना चाहता हूं कि आप मां दुर्गा बनकर राज्य से भ्रष्टाचार, अपराध, महंगाई, पलायन और बेरोजगारी का संहार करो। पिछले 20 साल की सरकार को हटाने का अब वक्त आ चुका है। बिहार को एक नई ऊंचाई पर ले जाना है। इसलिए बिहार को थके हुए मुख्यमंत्री नहीं चाहिए। तेजस्वी यादव के इस बयान से पहले राष्ट्रीय जनता दल की ओर से कहा कि 10 लाख नौकरी के वादे पर नीतीश कुमार का निर्लज्जता से क्या कहना था, वह पूरे बिहार को याद है। आज वही अचेत थके हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार थरथराते हुए कह रहे हैं कि हम इतना नौकरी देंगे, उतना रोजगार देंगे। दूसरे के पिता (लालू प्रसाद) को अपने अमर्यादित बयान में उटक देने वाले सीएम नीतीश कुमार अब पैसा कहां से लाएंगे? जब तेजस्वी यादव मात्र 17 महीनों में पांच लाख नौकरी दे चुके हैं, तब नीतीश कुमार को नौकरी और रोजगार के मुद्दे की याद आ रही है?

कुर्सी से चिपके रहने के लिए कोई भी झूठ बोल रहे हैं

सीएम नीतीश कुमार के किसी भी बात पर विश्वास करना अपने भोलेपन का प्रदर्शन करना है। अपनी राजनीति के अवसान पर नीतीश कुमार मुख्यमंत्री की कुर्सी से चिपके रहने के लिए कोई भी झूठ बोल रहे हैं, उनकी किसी झूठ पर अब विश्वास नहीं करना है। बिहार भर में यह सच्चाई सभी के मनो मस्तिष्क में बस चुका है कि बिहार में नौकरी रोजगार केवल तेजस्वी यादव ही दे सकते हैं। राजद ने दावा किया कि नहीं नौकरी और रोजगार को देश की राजनीति के केंद्र में स्थापित किया है। पर, इसके लिए सबसे ज्यादा जरूरी है कि बिहार में तेजस्वी सरकार बने।

दर्दनाक : खेत में काम करने से मना करने पर दो किशोरों को मार डाला

» किसान ने पत्नी और बच्चियों संग दी जान छह की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बहराइच। बहराइच के निंदुनपुरवा टेपरहा गांव में बुधवार सुबह एक ग्रामीण ने दो किशोरों को खेत में लहसुन की बोवाई के लिए बुलवाया, सभी ने लहसुन की बोवाई से इनकार किया तो धारदार हथियार से वार कर उनकी हत्या कर दी। इसके बाद खुद को परिवार सहित कमरे में बंद कर आग के हवाले कर दिया।

फायर ब्रिगेड और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। इस अग्निकांड में दंपती व दो बेटियों समेत चार लोग जिंदा जल गए, चार मवेशियों की भी झुलसकर मौत हुई है। गांव निवासी विजय कुमार खेती बाड़ी और पशुपालन का काम करता था। बुधवार सुबह खेत में लहसुन की बोवाई के लिए विजय ने गांव निवासी सूरज यादव (14) पुत्र लच्छी राम और सनी वर्मा (13) पुत्र ओमप्रकाश को घर बुलवाया।

दोनों ने नवरात्र का अंतिम दिन होने के चलते घर पर काम अधिक होने की बात कह कर खेत में काम करने से इन्कार कर दिया। इसी बात से गुस्साए विजय ने अपने घर के आंगन में धारदार हथियार से दोनों की हत्या कर दी। इसके बाद विजय ने खुद को पत्नी व बेटियों सहित कमरे के अंदर बंद कर घर में आग लगा ली। आग लगने पर कमरे में बंद लोगों ने चीखना चिल्लाना शुरू किया।

खिलाड़ियों ने अहंकार नहीं, शालीनता दिखाई : सिंघवी

» एशिया कप जीत पर कांग्रेस ने टीम के सराहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत द्वारा पाकिस्तान को हराकर एशिया कप जीतने के बाद, वरिष्ठ वकील और कांग्रेस सांसद अभिषेक मनु सिंघवी ने उस पल को याद करने के लिए एक्स का सहारा लिया। उन्होंने लिखा, जब खेल प्रतीकात्मकता से मिलते हैं! हमारे चैंपियनों ने न केवल एशिया कप जीता, बल्कि देश का गौरव भी बढ़ाया। और जब एसीसी प्रमुख ट्रॉफी लेकर भागने की कोशिश कर रहे थे, तो भारतीय खिलाड़ियों ने अहंकार नहीं, बल्कि इमोजी से जवाब दिया। शालीनता मैच जीतती है, और शिष्टता दिल जीतती है।

उन्होंने भारत के खेल प्रभुत्व को पुरस्कार वितरण समारोह में हुए नाटकीय दृश्यों से जोड़ते हुए लिखा। सिंघवी और कई अन्य नेताओं ने जीत का जश्न मनाया, लेकिन कांग्रेस पार्टी ने अभी तक कोई आधिकारिक बधाई बयान जारी नहीं किया है।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने तिलक वर्मा के नाबाद 69 रनों और कुलदीप यादव के चार विकेटों की ओर इशारा करते हुए युवा टीम की सराहना की, जिसने इतिहास रच दिया।

सचिन पायलट ने इसे अविश्वसनीय प्रदर्शन कहा, जबकि कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने वर्मा की पारी को दबाव में अब तक की सर्वश्रेष्ठ पारियों में से एक बताया और फिर एक जश्न की तस्वीर साझा की जिसका शीर्षक था: चैंपियंस। यह उत्साहपूर्ण प्रशंसा टूर्नामेंट को लेकर पार्टी के पहले के रुख से बिल्कुल उलट है। अप्रैल में पहलगाम में हुए आतंकी हमले, जिसमें 26 लोग मारे गए थे, के बाद सितंबर में जयपुर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच मैच के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था। उन्होंने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के प्रतीक पुतले जलाए और प्रदर्शन स्थल पर लाए गए एलईडी टीवी में तोड़फोड़ की। उनका तर्क था कि मैच पीड़ितों की भावनाओं का अनादर करता है।

दिल्ली में भी, विपक्षी नेताओं ने धरना दिया और हमले के बाद के महीनों में नाजुक राजनीतिक माहौल का हवाला देते हुए मैच का बहिष्कार करने का आग्रह किया। लेकिन अगर फाइनल से पहले बहिष्कार की मांग की जा रही थी, तो नतीजों ने फिर से क्रिकेट और फिर उससे जुड़ी राजनीति पर ध्यान केंद्रित कर दिया। मैदान पर, भारत ने पाकिस्तान को पाँच विकेट से हराकर ट्रॉफी अपने नाम कर ली, वर्मा ने टीम की कमान संभाली और कुलदीप ने पाकिस्तान के बल्लेबाज़ी क्रम को तहस-नहस कर दिया। लेकिन जश्न जल्द ही राजनीतिक रंग ले लिया।

निर्माणाधीन इमारत ढही, नौ मजदूरों की मौत

तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले के एन्नोर थर्मल पावर प्लांट में हुआ हादसा, मुआवजे का ऐलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले में एन्नोर थर्मल पावर प्लांट में निर्माण कार्य के दौरान मचान गिरने से हुई एक दुखद घटना में असम के नौ प्रवासी मज़दूरों की मौत हो गई। रिपोर्टों के अनुसार, चार मज़दूरों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि पाँच अन्य ने स्टेनली अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया।

अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि गंभीर रूप से घायल हुए कई अन्य लोगों का गहन उपचार किया जा रहा है। तमिलनाडु विद्युत बोर्ड के सचिव डॉ. जे. राधाकृष्णन और टीएएनजीईडीसीओ के अध्यक्ष ने उत्तरी चेन्नई थर्मल पावर स्टेशन के निर्माण स्थल पर संरचना ढहने से घायल हुए श्रमिकों से मिलने के लिए स्टेनली सरकारी अस्पताल का दौरा किया। मुख्यमंत्री ने विद्युत मंत्री एसएस शिवशंकर और वरिष्ठ आईएएस अधिकारी तथा तमिलनाडु जनरेशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (टीएएनजीईडीसीओ) के अध्यक्ष के राधाकृष्णन को दुर्घटना स्थल पर तत्काल राहत कार्य की निगरानी करने का आदेश दिया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गये हैं। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वह इस दुर्घटना से दुखी हैं और उन्होंने मृतकों के परिवारों के लिए दो-दो लाख रुपये के मुआवजे की घोषणा की।

मृतकों के परिजनों को स्टालिन सरकार देगी 10 लाख मुआवजा

मुख्यमंत्री ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, मुझे यह सुनकर दुख हुआ है कि एन्नोर में बीएचईएल द्वारा किए जा रहे निर्माण कार्य के दौरान हुई दुर्घटना में असम के नौ श्रमिकों की जान चली गई। मैं मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। स्टालिन ने प्रत्येक मृतक के परिवार को 10 लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की और आदेश दिया कि पार्थिव शरीर को उनके गृह राज्य पहुंचाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के सेल्वापेरुन्थागई ने नौ लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे अस्पताल में भर्ती, पेसमेकर लगाने की सलाह

» बेटे प्रियांक बोले-अब तबियत स्थिर और अच्छी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक के आईटी मंत्री और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे प्रियांक खड़गे ने अपने पिता के स्वास्थ्य पर अपडेट साझा करते हुए बताया कि उनकी हालत स्थिर है और वे अच्छा महसूस कर रहे हैं।

बुधवार को एक्स पर एक पोस्ट में, प्रियांक ने कहा कि खरगे को पेसमेकर लगाने की सलाह दी गई है और उन्हें निर्धारित प्रक्रिया के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत स्थिर है और वे अच्छा महसूस कर रहे हैं। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को बुधवार सुबह इलाज के लिए बेंगलुरु के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस बीच, खरगे 7 अक्टूबर को कोहिमा का दौरा करेंगे और नागा सॉलिडैरिटी पार्क में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। लोकसभा सांसद और नागालैंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एस सुपोंगमेरेन जमीर ने कोहिमा स्थित कांग्रेस भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यह घोषणा की।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार : सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार : संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट : हसन जैदी, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।